

दिल्ली-देहरादून आर्थिक गलियारा

चर्चा में क्यों?

4 दिसंबर, 2021 को उत्तराखण्ड के देहरादून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली-देहरादून आर्थिक गलियारा (ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे जंक्शन से देहरादून तक), चाइल्ड फ्रेंडली सटी प्रोजेक्ट देहरादून का शिलान्यास किया। दून में अत्याधुनिक इत्र और सुगंध प्रयोगशाला (सुगंधित पौधों के लिये केंद्र) का भी उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तराखण्ड को कुल 18,000 हज़ार करोड़ रुपए की सौगात दी।

प्रमुख बिंदु

- दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे की कुल लंबाई 175 किलोमीटर होगी। करीब 8,600 करोड़ रुपए की लागत से हाईवे बनाया जाएगा। आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा एवं नविश को प्रोत्साहन देने के लिये हाईवे बनाया जा रहा है।
- दिल्ली-देहरादून के बीच सड़क से यात्रा का समय आठ घंटे से घटकर करीब ढाई घंटे का सफर हो जाएगा।
- वन्यजीवों के अवरोधरहति आवागमन के लिये यह एशिया का सबसे बड़ा 12 किलोमीटर वन्यजीव एलविटेड कॉरिडोर होगा।
- इस एक्सप्रेसवे में 500 मीटर के अंतराल पर 750 वे अधिक वर्षा जल संचयन तथा वाटर रीचार्ज प्वाइंट होंगे। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे से हरद्वार की दूरी महज 51 किलोमीटर हो जाएगी, जो करीब 2082 होगी। इस रूट से दिल्ली के लिये हरद्वार से कनेक्टिविटी आसान हो जाएगी, जिससे सफर का समय घटेगा। इसमें छह इंटरचेंज, चार फ्लाईओवर, छह प्रमुख पुल, 10 माइनर एवं दो आरओरी तथा 10 वीथूपी होंगे।
- आशारोड़ी से गणेशपुर तक तक वन्यजीव बाहुल क्षेत्र है। डाटकाली से गणेशपुर तक एक्सप्रेसवे एलविटेड है, इसलिये जंगली जानवरों को क्रॉसिंग में किसी तरह की परेशानी नहीं होगी। आशारोड़ी से डाटकाली तक 200 मीटर के दो अंडरपास, 15 से 20 मीटर के छह पुल भी बनेंगे, ताकि जंगली जानवर आसानी से आसानी से आर-पार कर सकें।
- गणेशपुर (सहारनपुर) से सवा किलोमीटर एक्सप्रेसवे पुराने हाईवे के सामांतर बनेगा। इससे आगे डाटकाली तक 14 किलोमीटर का एलविटेड एक्सप्रेसवे बरसाती नदी के ऊपर बनेगा। डाटकाली में एक और सुरंग बनेगी। छह लेन वाली यह सुरंग 340 मीटर की होगी। यह टनल पहले बनी टनल के सामांतर बनेगी। इस स्थान पर पहले से दो सुरंग बनी हुई है।
- एक्सप्रेसवे का पहला पार्ट दिल्ली अक्षरधाम से बागपत के पास तक, दूसरा पार्ट बागपत से सहारनपुर बाइपास है। सहारनपुर से गणेशपुर तक पहले ही छह लेन एक्सप्रेसवे बना है। गणेशपुर से आशारोड़ी तक तीसरा पार्ट है। इसका काम अगले महीने से शुरू हो जाएगा।